

बरसाने की शोभा निराली हो गई राधाष्टमी भजन लिरिक्स



बरसाने की शोभा निराली हो गई,
चलो भानु घर कीरति के लाली हो गई,
बरसाने की शोभा निराली हो गई lbd।

देन बधाई चले लोग लुगाई,
बाजत वेणु शंख शहनाई,
आज सगरे री ब्रज में दिवाली हो गई,
चलो भानु घर कीरति के लाली हो गई,
बरसाने की शोभा निराली हो गई lbd।

नाचत भानु संग नंदराय,
कीरति यशोदा भाग मनाए,
आज दौवन के घर की उजियारी हो गई,
चलो भानु घर कीरति के लाली हो गई,
बरसाने की शोभा निराली हो गई lbd।

चिर जीवे किरत की राधा,
राधा गोविन्द ने याही को आराधा,
आज रसिको की जीवन रसाली हो गई,
चलो भानु घर कीरति के लाली हो गई,
बरसाने की शोभा निराली हो गई lbd।

बरसाने की शोभा निराली हो गई,
चलो भानु घर कीरति के लाली हो गई,
बरसाने की शोभा निराली हो गई lbd।

स्वर – भैया कृष्ण दास जी।
